MA/HIN/4/DSC14

हिंदी अनुवाद

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

कार्यालयी हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान प्रदान करनाऔरअनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी प्रदान करना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1.अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान।

2.अनुवाद करने की योग्यता में अभिवृद्धि।

3.कम्प्यूटर युग में मशीनी अनुवाद और अनुवाद कि विभिन्न प्रविधियों का ज्ञान होगा ।

4.कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यवहारिक ज्ञान होगा ।

खण्ड एक

1. अनुवाद का स्वरूप
2. अनुवाद के सिद्धांत
3. अनुवाद प्रविधि
4. अनुवाद की समस्याएँ

खण्ड दो

1. अनुवाद का इतिहास
2. तकनीकी शब्दावली के प्रकार एवं विशेषताएँ
3. कम्प्यूटर और अनुवाद

खण्ड तीन

हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद

खण्ड चार

अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

पुस्तक सूची–

1. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2004
2. अनुवाद के विविध आयाम– पूरण चन्द टण्डन व हरीश कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2005
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2008
4. अनुवाद विज्ञान– राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली– 2002
5. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली–1994
6. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका– रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा–1980

MA/HIN/4/DSC13

हिंदी नाटक

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2- निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रथम तीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objectives)

इसमें विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख नाटकों का अध्ययन करेंगेरंगमंच सम्बन्धी व्यावहारिक ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1 रंगमंच का व्यावहारिक स्तर पर अवलोकन होगा।
2 नाटक के माध्यम से विद्यार्थी अभिनय की बारीकियों को भी समझेंगे।
3 ऐतिहासिक नाटक को पढ़ते हुए विद्यार्थियों की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास होगा।
4 नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

खण्ड एक

रूपक से अभिप्राय एवं भेद
चन्द्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद

खण्ड दो

नाटक से अभिप्रायवनाटक के तत्त्व
कोणार्क– जगदीशचन्द्र माथुर

खण्ड तीन

आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश
रंगमंच संबंधी संकल्पना

खण्ड चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची–

1. हिन्दी नाटक इतिहास के सोपान– गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2002
2. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2002
3. हिन्दी नाटक के बदलते आयाम– नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, नई दिल्ली– 1987
4. नाटककार मोहन राकेश– सुंदर लाल कथूरिया
5. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास– लक्ष्मी नारायण लाल
6. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, संपादक– नेमिचन्द्र जैन

12. रेडियोऔरपत्रकारिता, हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली।
13. सैद्धांतिकएवंअनुप्रयुक्तभाषाविज्ञान, डॉ. रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, साहित्यसहकार, दिल्ली।
14. पत्रकारिताकेसिद्धान्त – डॉ. रमेशचन्द्रत्रिपाठी, नमनप्रकाशन, दिल्ली, 2002
15. आधुनिकपत्रकारिता – डॉ. अर्जुनतिवारी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, 1984
16. हिंदीपत्रकारिताएवंजनसंचार – डॉ. ठाकुरदत्तशर्मा'आलोक', वाणीप्रकाशन, दिल्ली, 2000
17. संचारसेजनसंचार – रुपचन्दगौतम, श्रीनटराजप्रकाशन, दिल्ली, 2005
18. सूचनाप्रौद्योगिकीऔरजनमाध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली, 2002
19. इलैक्ट्रानिकमीडिया – पी. के. आर्य, प्रतिभाप्रतिष्ठान, दिल्ली, 2006

MA/HIN/4/DSC12

जनसंचार माध्यम एवं हिंदी

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

हिंदी पत्रकारिता व जनसंचार विभिन्न माध्यमो के स्वरूप, विकास तथा मीडिया के विविध पहलुओं से परिचय करवाना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी पत्रकारिता के विकास की समझ विकसित होगी।
2. जनसंचार के सिद्धांतों व व्यवहारिक पहलुओं की समझ विकसित होगी।
3. जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी।
4. जनसंचार के इलेक्ट्रोनिक व इंटरनेट के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि विकसित होगी।

खण्ड-एक

जनसंचार–अवधारणा,स्वरूपवविकास, जनसंचारकेप्रमुखसिद्धान्तऔरसिद्धान्तकार, सूचनाप्रौद्योगिकीकेविविधरूप

खण्ड-दो

प्रिंटमीडियाकास्वरूप (समाचार-पत्रएवंपत्रिकाएंआदि), प्रिंटमीडियाकेलिएलेखन (संपादकीयएवं फीचर आदि), प्रिंटमीडियाकीभाषा।

खण्ड-तीन

भाषाकीसूचनात्मकक्षमता-सूचनानिर्माण, सूचनाशैली, सूचनासम्प्रेषण, वाचिकभाषा, लेखकभाषा।

खण्ड-चार

जनसंचारऔरहिन्दीसाहित्य– जनसंचारमाध्यमएवंहिन्दी, जनसंचारमाध्यमोंसेसम्बन्धितहिन्दीसाहित्य, इलेक्ट्रोनिकसंदर्भकेरूपमेंहिन्दीकामानकीकरण – आवश्यकता, भाषानियोजननीति, भाषास्थिरता, किताबीभाषाऔरमाध्यमोंकीभाषामेंअन्तर।

पुस्तकसूची :

1. राजभाषाहिंदी – कैलाशचन्द्रभाटिया, वाणीप्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रशासनिकहिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ. नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली।
4. व्यावहारिकहिंदीऔरस्वरूप, वाणीप्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषाऔरभाषाविज्ञान, डॉ. हरिश्चंद्रवर्मा, लक्ष्मीप्रकाशन, रोहतक।
6. भाषाविज्ञानएवंमानकहिंदी, डॉ. नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
7. आधुनिकविज्ञापन – प्रेमचन्दपातंजली, वाणीप्रकाशन, दिल्ली।
8. प्रयोजनमूलकहिंदी, दंगलशाल्टे, वाणीप्रकाशन, दिल्ली।
9. कंप्यूटरप्रोग्रामिंगएंडआपरेटिंगगाइड, शशांकजौहरी, पूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली।
10. कंप्यूटर :सिद्धान्तऔरतकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वांचलप्रकाशन, दिल्ली।
11. कंप्यूटरऔरहिंदी, हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली।

MA/HIN/4/DSC11

प्रवासी हिन्दी साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

हिंदी के प्रवासी रचनाकारों से रूबरू होना । विस्थापन की समस्या,कारणों,प्रभावों की पड़ताल करना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विश्व हिंदी साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी ।
2. विश्व साहित्य की विभिन्न विधाओं के साहित्य से परिचय होगा ।
3. भारतीय साहित्य के साथ तुलना की समझ विकसित होगी।
4. विश्वसाहित्य की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि होगी ।

खण्ड-एक

भारतसेविस्थापनकाइतिहासएवंकारण, प्रवासीसाहित्यकीअवधारणा, स्वरूपएवंविकास।

खण्ड-दो

हिन्दीमेंप्रवासीलेखनकाआरम्भ, प्रवासीलेखनकीप्रवृत्तियाँ।

खण्ड-तीन

लालपसीना – अभिमन्युअनत,राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली
केक्टसकेदाँत – अभिमन्युअनत

खण्ड-चार

कहानियाँकथालंदन, सं.सूरजप्रकाश, प्रकाशनसंस्थान, नईदिल्ली
1. कोखकाकिराया-तेजेन्द्रशर्मा
2. घरकाठूंठ –सैलअग्रवाल

पुस्तकसूची :

1. प्रवासीसंसार, सम्पादक – राकेशपाण्डेय।
2. प्रवासीकहानियाँ, सम्पादक – हिमांशुजोशी, साहित्य अकादमी।
3. वर्तमानसाहित्यप्रवासीसाहित्यविशेषांक, सम्पादक – कुंवरपालसिंह।
4. समकालीनकथासाहित्य :सरहदेंवसरोकार, डॉ. रोहिणीअग्रवाल, आधारप्रकाशन, पंचकुला।

MA/HIN/4/CC14

हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य

अध्यापनअवधि – 4 घण्टे

कुल अंक – 100
लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

खण्ड-एक

लोक संस्कृति की अवधारणा एवं विशेषताएँ . लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन ।

खण्ड-दो

हरियाणवी भाषा की विशेषताएँ, हरियाणवी साहित्य का परिचय ।

खण्ड-तीन

हरियाणवी भाषा में रचित लोक गीत एवं सांग ।

खण्ड-चार

हरियाणा के लोक गीत (खण्ड – 1-2), भाषा विभाग, हरियाणा ।

पुस्तक सूची :

1. हरियाणा : संस्कृति एवं कला, लेखक – सन्तराम देशवाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, 2004 ।
2. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, लेखक – गुणपाल सिंह सांगवान, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 2004 ।
3. हरियाणवी भाषा : स्वरूप और पहचान, विश्वबंधु शर्मा, अनंग प्रकाशन, 2006 ।
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा, कृष्णदेव उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, 2009 ।
5. हरियाणा का लोक साहित्य, लालचद गुप्त 'मंगल', सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1998 ।
6. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, (संपादक) साधुराम शारदा, हरियाणा भाषा विभाग, 1978 ।
7. हरियाणा का लोक साहित्य, राजाराम शास्त्री, लोक सम्पर्क विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़, 1990 ।
8. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1960 ।
9. हरियाणा भाषा का उद्गम तथा विकास, नानकचंद शर्मा, विश्लेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, 1968 ।
10. सांग सम्राट पंडित लखमीचंद, राजेन्द्र स्वरूप वत्स, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1991 ।

MA/HIN/4/CC13

भारतीय साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व-दृष्टि से जोड़ते हैं.इनका अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी।
2. भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों से परिचय होगा।
3. भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय एकता के सूत्रों का बोध होगा।
4. हिंदी साहित्य की हिंदी से इतर भाषाओं के साहित्य की तुलनात्मक बोध हो सकेगा।

खण्ड एक

1. भारतीय साहित्य का इतिहास
2. भारतीय साहित्य के विविध रूप
3. भारतीय साहित्य में भक्ति आंदोलन
4. आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय

खण्ड दो

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
2. भारतीयता और भारतीय साहित्य
3. भारतीय साहित्य में संस्कृति
4. भारतीय साहित्य की विषेशताएँ

खण्ड तीन–

आनन्द मठ (बंगला से उपन्यास)– बंकिमचन्द्र चटर्जी

खण्ड चार–

घासीराम कोतवाल (मराठी से अनूदित नाटक)– विजय तेंदुलकर

पुस्तक सूची–

1. बंगला साहित्य का इतिहास– सुकुमार सेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली– 1970
2. भारतीय साहित्य : अध्ययन की नई दिषाएँ– प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 2010
3. भारतीय साहित्य दर्शन– के एल हंस, ग्रंथम रामबाग, कानपुर–1073
4. भारतीय साहित्य की रूपरेखा–भोले षंकर व्यास, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी– 2008
5. भारतीय साहित्य– मूलचन्द गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली– 2011

चतुर्थ-सेमेस्टर

MA/HIN/4/CC12

पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. पाश्चात्य ज्ञान की परंपराओं का बोध होगा।
2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन की जानकारी विकसित होगी।
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन में विभिन्न विचारधाराओं, वादों, पद्धतियों का परिचय होगा।
4. साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास होगा।

खण्ड-एक

प्लेटो : आदर्शवाद

अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी की अवधारणा

लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त

होरेस : औचित्य सिद्धान्त

खण्ड-दो

कॉलरिज : कल्पनासिद्धान्त

विलियमवडर्सवर्थ : कविता-संबंधीअवधारणाएवंकाव्यभाषासिद्धान्त

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

खण्ड-तीन

टी.एस.इलियट : परंपराएवंवैयक्तिकप्रज्ञाकासिद्धान्त, निर्वैयक्तिकताकासिद्धान्त

आई.ए.रिचर्डस: मूल्यसिद्धान्त

मैथ्यूआर्नाल्ड : आलोचना-संबंधीअवधारणा

खण्ड-चार

मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, उत्तरआधुनिकतावाद

पुस्तकसूची :

1. पाश्चात्यकाव्यशास्त्रकेसिद्धान्त – डॉ. शांतिस्वरूपगुप्त
2. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र – डॉ. सावित्रीसिन्हा
3. पाश्चात्यकाव्यशास्त्रकेसिद्धान्त – डॉ. मैथिलीप्रसादभारद्वाज, हरियाणासाहित्यअकादमी, चण्डीगढ।
4. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथशर्मा, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली।
5. पाश्चात्यकाव्यशास्त्रकीपरम्परा – डॉ. तारकनाथबाली, शब्दकार, दिल्ली।
6. आलोचकऔरआलोचना – बच्चनसिंह, विश्वविद्यालयप्रकाशन, दिल्ली।
7. प्रगतिशीलहिन्दीआलोचनाकीरचना-प्रक्रिया – हौसिलाप्रसादसिंह, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी।
8. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र:अधुनातनसन्दर्भ – सत्यदेवमिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
9. पाश्चात्यकाव्य-चिन्तन – डॉ. करुणाशंकरउपाध्याय, राधाकृष्णप्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दीआलोचनाकेआधारस्तम्भ – सम्पादकरामेश्वरलालखण्डेलवाल, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिन्दीआलोचनाकीपरिभाषिकशब्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

MA/HIN/9/OEC6

अनुवाद सिद्धांत

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

कार्यालयी हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान प्रदान करनाऔरअनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्व प्रदान करना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान।
2. अनुवाद करने की योग्यता में अभिवृद्धि।
3. कम्प्यूटर युग में मशीनी अनुवाद और अनुवाद कि विभिन्न प्रविधियों का ज्ञान होगा ।
4. कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यवहारिक ज्ञान होगा।

खंड-एक

अनुवाद-अर्थ,परिभाषा,क्षेत्र,प्रकार,प्रक्रिया,सीमाएं
अनुवाद का महत्व एवं आवश्यकता

खंड-दो

प्रशासनिक शब्दावली-केन्द्रीय हिंदी निदेशालय,रामकृष्णपुरम ,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

खंड-तीन

अनुवाद:अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

खंड-चार

कार्यालयी अनुवाद- मूलभूत अपेक्षाएं,प्रपत्र,सरकारी-पत्र,ज्ञापन,आदेश,टिप्पणी लेखन,अधिसूचना,प्रेस नोट,प्रेस विज्ञप्ति तथा अनुवाद

सन्दर्भ पुस्तक सूची-

1.अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप-कैलाश चन्द्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।
2.अनुवाद के विविध आयाम-पूरण चंद टंडन व हरीश कुमार सेठी,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।
3.अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग-कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।
4.अनुवाद विज्ञान-राजमणि शर्मा,नई दिल्ली।
5.अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण-तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।
6.अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका-रविन्द्र श्रीवास्तव,केन्द्रीय हिंदीसंस्थान, नई दिल्ली।

MA/HIN/9/OEC5
साहित्य की समझ

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक--एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को साहित्य संबंधी जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम) CourseLearningOutcomes

- साहित्य के बारे में विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देना।
- साहित्य व समाज के संबंधों का ज्ञान उपलब्ध कराना।
- साहित्य संबंधी अवधारणाओं का परिचय देना।
- साहित्य व अन्य कलाओं का अन्तःसंबंध दिखाना।

खंड-1

साहित्य का अर्थ, भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य संबंधी अवधारणाएं, परिभाषा एवं स्वरूप, साहित्य का प्रयोजन

खंड-2

साहित्य और समाज साहित्य दर्शन ,साहित्य और संस्कृति ,

खंड-3

अस्तित्ववाद ,मनोविश्लेषणवाद ,मार्क्सवाद -:साहित्य और विचारधाराएं ,साहित्य और इतिहास

खंड-4

साहित्य और विमर्श :-आदिवासी विमर्श, दलित विमर्श,-स्त्री विमर्श

संदर्भ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास प्रकाशन संस्थान ,आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ,
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका नई दिल्ली। ,राजकमल प्रकाशन ,हजारी प्रसाद द्विवेदी ,
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका नई दिल्ली। ,वाणी प्रकाशन ,मैनेजर पांडेय ,
4. साहित्य के सिद्धांत तथा रूप नई दिल्ली। ,राजकमल प्रकाशन ,भगवतीचरण वर्मा ,
5. आलोचना और विचारधारा नई दिल्ली। ,राजकमल प्रकाशन ,नामवर सिंह ,
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरणकुमार लिम्बले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र, सं. देवेन्द्र चौबे, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली।

MA/HIN/1/SEC2

कंप्यूटर का हिन्दी में अनुप्रयोग

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 2x5 = 10
2. निर्धारित चार खण्डों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 15x4 = 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

विद्यार्थियों को कंप्यूटर संबंधी सामान्य जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थियों की हिंदी टंकण के प्रति जानकारी बढ़ेगी।
2. कंप्यूटर व उसके उपकरणों के प्रति ज्ञान में वृद्धि।
3. कंप्यूटरकेमाध्यमसेविद्यार्थियोंकोअद्यतनजानकारीमिलेगी।
4. हिंदी भाषा के विकास में कंप्यूटर के योगदान का महत्व समझा जायेगा।

खण्ड–1

कम्प्यूटर (संगणक) प्रणाली– परिचय, उद्भव एवं विकास परिभाषा, उपकरण और प्रयोग आंकडा संसाधन, वर्तनी संशोधन

खण्ड–2

इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय, इंटरनेट के उपकरणो का परिचय, समय मितव्ययिता का सूत्र, वर्ल्ड वाइड वेब (www) का विकास, प्रचार, प्रसार डाउनलोड एवं अपलोड

खण्ड–3

हिंदी वेबसाइट्सः परिचय, पोर्टल क्या है?, पोर्टल का स्वरूप, हिंदी पोर्टल, वेबसाइट परिभाषा, हिंदी वेबसाइट्स : वर्गीकरण, भाषा, साहित्य, पत्रिकाएं, समाचार आदि

खण्ड–4

हिंदी साहित्य से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइट्स और ब्लॉगपोस्ट का परिचय, सोशल साइटस् का परिचय, उपयोग और महत्व।

पुस्तक सूची

1 अपना कम्प्यूटर अपनी भाषा में– राजेश रजन– हिदी बुक्स सेटर, नई दिल्ली
2 आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान– विनोद कुमार मिश्र– हिंदी बुक्स सेटर, नई दिल्ली
3 Basic Computer- Deepak Chakravarti & Hindi book center-
4 कम्प्यूटर और हिंदी– हरिमोहन–हिंदी बुक्स सेटर।।
5 कम्प्यटर बेसिक शिक्षा–गुंजन शर्मा–हिंदी बुक्स सेटर।
6 आओ कम्प्यूटर जानें– अमित गर्ग–हिंदी बुक्स सेटर।
7 कम्प्यूटर बेसिक नॉलेज– कोमल कथूरिया–हिंदी बुक्स सेटर।

MA/HIN/3/DSC10

महादेवी वर्मा : एक विषेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम के उद्देश्य-

महादेवी वर्मा के साहित्य के माध्यम छायावाद युगीन हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय व सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. महादेवी युगीन परिस्थितयों का समग्र अध्ययन कर पायेंगें।
2. महादेवी वर्मा के साहित्य के माध्यम छायावाद युगीन हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय व सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान कर पायेंगें।
3. महादेवी वर्मा के नारी विषयक लेखन के संदर्भ में नारी-विमर्श का विश्लेष्ण कर पाएंगे।
4. छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि का अध्ययन कर पाएंगे।

खण्ड एक

संधिनी

खण्ड दो

शृंखला की कड़ियाँ

खण्ड तीन

अतीत के चलचित्र

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या।

पुस्तक सूची–

1. नवजागरण और महादेवी वर्मा का रचना कर्म : स्त्री विमर्श के स्वर– कृष्णदत्त पालीवाल।
2. महीयसी महादेवी– गंगा प्रसाद पांडेय।
3. हिन्दी का गद्य साहित्य– राम चन्द्र तिवारी।
4. गवेषणा (पत्रिका) अंक– 87, सम्पादक–शंभुनाथ सिंह।
5. महादेवी वर्मा का काव्य : कला और दर्शन– रश्मि दीक्षित, केंन्द्रीय हिन्दी संस्थान–1999
6. महादेवी वर्मा : काव्य, कला और दर्शन–सम्पादिका–शची रानी गुर्टू, आत्मा राम एण्ड संस, दिल्ली–1963
7. महादेवी वर्मा और उनकी संधिनी–श्याम बजाज, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।

MA/HIN/3/DSC9

प्रेमचन्द : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा ।
2. प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
3. प्रेमचंद के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
4. नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी।

खण्ड एक

गबन– प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

खण्ड दो

प्रतिनिधि कहानियाँ– प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

खण्ड तीन

प्रेमचन्द के श्रेष्ठ निबन्ध– सत्य प्रकाशन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या।

पुस्तक सूची–

1. प्रेमचन्दः चिन्तन और कला– इनद्रनाथ मदान, सरस्वती प्रेस, बनारस।
2. प्रेमचन्द और उनका युग– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रेमचन्द और भारतीय किसान– रामवृक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेमचन्द और उनका साहित्य– शीला गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाहाबाद।
5. प्रेमचन्द– सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली।

MA/HIN/3/CC11
हिंदी आलोचना

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

साहित्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी आलोचना के विकास का परिचय हो सकेगा।
2. हिंदी समीक्षा की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
3. हिंदी आलोचना के विकास व विभिन्न आलोचकों की आलोचना दृष्टि से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
4. साहित्यालोचना की क्षमता विकसित होगी।

खण्ड-एक

आलोचना: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि एवं विकास, शुक्लपूर्व हिंदी आलोचना

खण्ड-दो

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं रामविलास शर्मा।

खण्ड-तीन

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह एवं नगेन्द्र।

खण्ड-चार

अज्ञेय, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा।

पुस्तकसूची :

1. हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ, लेखक-डॉ. रामदरश मिश्र, दि मैकमिलन कंपनी आफ इण्डिया लिमिटेड, दिल्ली।
2. विसंरचनात्मक आलोचना: अर्थ की सर्जना, लेखक- पाण्डेय शशिभूषण, शीतांशु नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल:सिद्धान्त और साहित्य, लेखक- जयचन्द्र राय, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और भारतीय समीक्षा, सम्पादक – सुरेशकुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व, कुमारी पी. वासवदता, युगवाणी प्रकाशन, कानपुर।

MA/HIN/3/CC10

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड है।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)
हिन्दी उपन्यास की विकास परंपरा का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी उपन्यास की समझ विकसित होगी।
2. भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गो की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध।
3. स्वतंत्रता पूर्व व स्वतंत्र भारत की नब्ज को उपन्यास साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी चिह्नित करसकेंगे।
4. हिंदी उपन्यासों की संरचना व शिल्प का बोध।

खण्ड-एक

अज्ञेय : शेखर:एकजीवनीभाग 1-2

खण्ड-दो

यशपाल : झूठा-सच

खण्ड-तीन

मन्नू भंडारी- आपका बंटी

खण्ड-चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तकसूची :

1. शेखर: एकजीवनी, लेखक – डॉ.गोपालराम, ग्रन्थनिकेतन, पटना।
2. अज्ञेयऔर उनका साहित्य, लेखक – डॉ. पूनमचन्दतिवारी, राजश्रीप्रकाशन, भोपाल।
3. यशपाल:व्यक्तित्वऔरकृतित्व, लेखक – डॉ. सरोजगुप्त, अनुरागप्रकाशन, अजमेर।
4. यशपाल के उपन्यास, लेखक-कुमारी स्नेह लता शर्मा, कौशाम्बीप्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दीउपन्यास:नयेक्षितिज, लेखक – डॉ. शशिभूषणसिंहल, प्रेमप्रकाशनमंदिर, दिल्ली

MA/HIN/3/CC9

स्वातंत्र्योत्तर आधुनिक हिंदी काव्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। **2x5=10**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। **15x4=60**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता के निरंतर बदलते स्वरूप का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता,आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त।
2. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता संवेदना, शिल्प, सामाजिक सरोकारों से परिचय होगा।
3. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता के विभिन्न कवियों के काव्य वैशिष्ट्य का बोध हो सकेगा।
4. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता का नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधों का बोध हो सकेगा।

खण्ड-एक

अज्ञेय : असाध्यवीणा, यहदीपअकेला, कितनीनावोंमेंकितनीबार, पहलेमैं सन्नाटा बुनता हूँ।

खण्ड-दो

मुक्तिबोध : अधेरेमें, कदम कदम पर।

खण्ड-तीन

नरेश मेहता : संशय की एक रात, समय देवता।

खण्ड-चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तकसूची :

1. अज्ञेयऔरआधुनिक रचना की समस्या– राम स्वरूप चतुर्वेदी।
2. हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ–राम स्वरूप चतुर्वेदी।
3. नयीकविताएँ:एक साक्ष्य – राम स्वरूप चतुर्वेदी।

तृतीय सेमेस्टर

MA/HIN/3/CC8

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10

2निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

भारतीय काव्यशास्त्र का महत्व और साहित्य में उसकी उपादेयता से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भारतीय ज्ञान की परंपराओं का बोध होगा ।
2. संस्कृत भाषा में साहित्य चिंतन की जानकारी प्राप्त होगी ।
3. हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य चिंतन की जानकारी प्राप्त होगी।
4. साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास होगा।

खण्ड–एक

काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

खण्ड–दो

रस सिद्धान्त : भरतसूत्र, रस का स्वरूप, रस निष्पति संबंधी एवं चार आचार्यों के मत, रस के अंग (अवयव/तत्त्व), सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण ।

खण्ड–तीन

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार–संबंधी आचार्यों के मत, अलंकार–भेद, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अलंकार्य।

रीति सिद्धान्त : रीति–संबंधी वामन की स्थापनाएँ, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।

खण्ड–चार

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति–संबंधी कुंतक की स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद एवं उपभेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि–संबंधी आनंदवर्द्धन की स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद एवं उपभेद, ध्वनि के आधार पर काव्य भेद।

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य–संबंधी क्षेमेन्द्र की स्थापनाएँ, औचित्य के भेद एवं उपभेद।

पुस्तक सूची –

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र– योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र– सत्यदेव चौधरी
4. रस सिद्धान्त– नगेन्द्र
5. काव्य के तत्व– देवेन्द्रनाथ शर्मा

MA/HIN/9/OEC4

हिंदी संचार कौशल

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

1. हिंदी के स्वरूप, विकास तथा मीडिया के विविध पहलुओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी भाषा में संचार कौशलों के विकास की समझ होगी ।
2. जनसंचार के सिद्धांतों व व्यवहारिक पहलुओं की समझ विकसित होगी ।
3. जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी ।
4. जनसंचार के इलेक्ट्रोनिक व इंटरनेट के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी ।

खण्ड-एक

संचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व - संचार के प्रकार एवं सम्प्रेषण के माध्यम, भाषा सम्प्रेषण के चरण, साक्षात्कार, भाषण कला एवं लेखन, पत्र लेखन ।

खण्ड-दो

हिन्दी भाषा एवं उसकी बोलियाँ – हिन्दी भाषा का विकास, हिन्दी की बोलियाँ, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी व्याकरण (मुहावरे, लोकोक्तियां, समानार्थक, व विपरीतार्थक शब्द)

खण्ड-तीन

व्यवहारिक हिन्दी – हिन्दी की सांविधानिक स्थिति, राजभाषा अधिनियम, राष्ट्रपति अध्यादेश पत्र लेखन(सरकारी व अर्धसरकारी) ।

खण्ड-चार

अनुवाद एवं सृजनात्मक लेखन – अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद : प्रकृति एवं प्रक्रिया, अनुवाद : वर्गीकरण, व्यावहारिक अनुवाद (अंग्रेजी/हिन्दी), सृजनात्मक लेखन – कविता, कहानी, नाटक, निबन्ध ।

पुस्तक सूची :

1. हिन्दी भाषा:उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1961 ।
2. हिन्दी:उदभव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965 ।
3. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981 ।
4. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001 ।
5. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002 ।
6. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984 ।
7. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980 ।
8. भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद:समस्या समाधान, कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नयीदिल्ली ।
9. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10. व्यावहारिक हिन्दी, प्रेमचन्द पतंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।
12. राजभाषा हिन्दी, कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

MA/HIN/9/OEC3

प्रयोजनमूलक हिंदी

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. कार्यालयी हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान प्रदान करना।
2. अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्व प्रदान करना ।
3. राजभाषा हिन्दी में अनुवाद का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
4. कंप्यूटर प्रयोग की सैद्धांतिक-व्यावहारिक जानकारी में अनुवाद का स्थान व महत्व का ज्ञान प्रदान करना ।

खण्ड–एक

प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ, अवधारणा व स्वरूप
प्रयोजनमूलक हिन्दी व उसके विविध रूप
राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान – अनु. 343 से 351 तक

खण्ड–दो

दृश्य श्रव्य माध्यमों का परिचय, पत्र लेखन – स्वरूप, प्रकार व प्रारूप, आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, मांग पत्र,
सरकारी पत्राचार – स्वरूप, प्रकार, प्रारूप, परिचय, ज्ञापन, कार्यालय।

खण्ड–तीन

पत्रकारिता स्वरूप भेद, सम्पादक के गुण, प्रेस सम्बन्धी कानून।
वाणिज्य व व्यवसायिक पत्र लेखन, कार्यालयी हिन्दी
वाणिज्यिक पत्र, व्यवहार में अन्तर, प्रस्तावों के पत्र प्रस्तुत करना।

खण्ड–चार

विज्ञापन और अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय– क्षेत्र, विस्तार और महत्व, भाषा और उपयुक्त विशेषण, अभिव्यक्ति की प्रभावशीलता, एक अच्छे प्रतिलेखक के गुण।

पुस्तक सूची –

1. प्रशासनिक हिन्दी– महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी– दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली।
5. आधुनिक विज्ञापन– प्रेमचंद पंतजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. राजभाषा हिन्दी– कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी और काव्यांग– डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली।

7. ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
8. जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
9. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
10. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
11. व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
12. रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
13. जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
14. कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
15. पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी

MA/HIN/2/SEC1

हिंदी सम्भाषण एवं सम्प्रेषण कौशल

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सम्भाषण एवं सम्प्रेषणके व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1.सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।

2.वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

3.हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।

4.संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

खण्ड–एक

संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक

संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता

संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।

खण्ड–दो

संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।

वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।

खण्ड–तीन

लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।

संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

खण्ड–चार

भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा)।

संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)

सहायक पुस्तकें

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
4. रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
5. टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
6. संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित

MA/HIN/2/DSC8

तुलसीदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

तुलसीदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. तुलसीदास के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।
2. तुलसीदास के साहित्यिक अवदान की समझ।
3. तुलसीदास के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।
4. तुलसीदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध होगा ।

खण्ड–एक

रामचरितमानस का सुन्दरकाण्ड, प्रकाशक गीता प्रेस, गोरखपुर

खण्ड–दो

विनय पत्रिका के निम्नलिखित पद–1,30,31,32,36,45,76,79,84,87,88,89,90,91,92,94,101,105,111,112

खण्ड–तीन

कवितावली के विभिन्न काण्डों से निम्नलिखित पद:

बालकाण्ड : 1, 2, 4 और 17

अयोध्याकाण्ड : 1, 2, 6, 7 ,8, 11, 12, 19, 20, 21 और 22

सुन्दरकाण्ड : 30 और 32

उत्तरकाण्ड : 29,30,31,35,36,47,50,55,56,57,62,72,85,97 और 108

खण्ड–चार

तीनोंखण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या।

पुस्तक सूची –

1. तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
2. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
3. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – वचनदेव कुमार
4. तुलसीदास की भाषा – देवकीनन्दन श्रीवास्तव
5. तुलसी–रसायन – भागीरथ मिश्र
6. भक्ति का विकास – मुंशी राम शर्मा
7. रामकथा :उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के
8. तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र
9. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
10. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
11. तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन – डॉ. श्रीधर सिंह
12. तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम – डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा
13. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी
14. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – शिव कुमार मिश्र
15. भक्ति काव्य और समाज दर्शन – प्रेम शंकर

MA/HIN/2/DSC7

जायसीः एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

1. जायसी के साहित्य का अध्ययन व भक्तिकालीन साहित्य के सन्दर्भ में जायसी का मूलयांकन करना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

2. जायसी कबीर के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।
3. जायसी के साहित्यिक अवदान की समझ।
4. जायसी के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।
5. जायसीचिंतन की भारतीय लोकजीवन मेंउपस्थितिकाबोध।

खण्ड–1

जायसी और उनका युग
जायसी की काव्य कला
पद्मावत – सिंहलद्वीप– खण्ड (सं. वासुदेव शरण अग्रवाल)

खण्ड–2

पद्मावत – मानसरोदक– खण्ड (सं. वासुदेव शरण अग्रवाल)
रहस्यवाद और जायसी
जायसी काव्य में रूपक तत्व

खण्ड–3

पद्मावत – नागमती वियोग– खण्ड (सं. वासुदेव शरण अग्रवाल)
जायसी काव्य में लोकतत्व/लोक संस्कृति
सूफी सम्प्रदाय और जायसी

खण्ड– 4

तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

पुस्तक सूची

1 हिन्दी साहित्य का इतिहासः आ.रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2 त्रिवेणी, आ. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिकाः आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 जायसी ग्रन्थावलीः सं. आ. रामचन्द्र शुक्ल।
5 जायसीः विजयदेव नारायण साही।
6 जायसीः एक नई दृष्टिः डॉ. रघुवंश।

MA/HIN/2/DSC6

सूरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

सूरदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. सूरदास के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय होगा।
2. सूरदास के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
3. सूरदास के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
4. सूरदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध कर सकेंगें।

खण्ड–एक

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से विनय एवं भक्ति के पद।

खण्ड–दो

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से गोकुल एवं वृन्दावन लीला के पद ।

खण्ड–तीन

सूरसागर सार, संपादक धीरेन्द्र वर्मा से भ्रमरगीत के पद ।

खण्ड–चार

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. सूरदास – सं. हरबंसलाल शर्मा
2. सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरबंसलाल शर्मा
3. सूर की साहित्य साधना – डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
6. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – भाषा 1 तथा 2 – डॉ. दीनदयाल गुप्त
7. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. मुंशी राम राय
8. सूरदास – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
9. सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
11. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
12. सूर की काव्यमाला – मनमोहन गौतम

MA/HIN/2/DSC5

कबीरदास : एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

कबीरदास जी के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. कबीर के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।
2. कबीर के साहित्यिक अवदान की समझ।
3. कबीर के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।
4. कबीर चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

खण्ड–एक

कबीर ग्रंथावली, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) से सम्पूर्ण दोहे।

खण्ड–दो

कबीर ग्रंथावली, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) से आरंभिक दस रमैणी।

खण्ड–तीन

कबीर ग्रंथावली, संपादक श्याम सुंदरदास, प्रकाशक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) से आरंभिक तीस पद।

खण्ड–चार

तीनोंखण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बरदत्त बडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
2. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
3. कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. कबीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. उत्तर भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
6. कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
7. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8. संत कबीर – सं. रामकुमार वर्मा
9. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
10. हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
11. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

MA/HIN/2/CC7

हिंदी कथेत्तर साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

हिंदी आत्मकथा, निबंध,जीवनी, संस्मरण व रेखाचित्र व कथेत्तर साहित्य जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी आत्मकथा का विकास व आलोचनात्मक समझ।
2. हिंदी जीवनी का विकास व आलोचनात्मक समझ।
3. हिंदी निबन्ध की समझ विकसित होगी।
4. हिंदी रेखाचित्र का विकास व आलोचनात्मक समझ।

खण्ड–एक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग–एक) से दो निबंधः– श्रद्धा एवं भक्ति, कविता क्या है।
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल संकल्प से दो निबंधः– अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।

खण्ड–दो

बालमुकुंद गुप्त : शिवशंभू का चिट्ठा

खण्ड–तीन

हरिवंशराय बच्चनः क्या भूलूँ क्या याद करूँ

खण्ड–चतुर्थ

तीनोंखण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. हिंदी जीवनी साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन– भगवान दास भारद्वाज
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– कृष्णदत्त पालीवाल एवं जय सिंह'नीरज'
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– रामविलास शर्मा
4. आलोचक रामचन्द्र शुक्ल– गुलाब राय
5. निबंधः सिद्धान्त और प्रयोग– हरिहरनाथ द्विवेदी।

MA/HIN/2/CC6
भक्ति एवं रीतिकालीन काव्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय मुख्य उद्देश्य,इसके अतिरिक्त , रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से शृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन द्वारा रीतिकाल की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय करवाना ।
2. मध्यकालीन हिंदी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास करना ।
3. मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल साहित्य के 'स्वर्णयुग' से सम्पूर्ण परिचय प्रदान करना.
4. भक्तिकाव्य के महान् नायकों के काव्य अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकताके उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

खण्ड–एक

कबीर : कबीर वाणी (आरंभिक चालीस साखी एवं आरंभिक दस पद), संपादक पारसनाथ तिवारी, राका प्रकाशन, इलाहाबाद।

जायसी : पद्मावत, वासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), मानसरोवर खण्ड, नागमती वियोग खंड, गोरा–बादल खण्ड।

खण्ड–दो

सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 30 पद), सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

तुलसीदास : कवितावली (केवल उत्तरकाण्ड)।

खण्ड–तीन

रीतिकाव्य संग्रह, संपादक विजयपाल सिंह, प्रकाशन लोकभारती, इलाहाबाददेव के आरम्भिक पाँच पद, भूषण के आरंभिक पाँच पद,घनानंद के आरंभिक पाँच पद एवं बिहारी के आरंभिक बीस दोहे।

खण्ड चार

तीनोंखण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल
2. त्रिवेणी– आ0 रामचन्द्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर– आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. रीतिकाव्य की भूमिका– नगेन्द्र
6. देव और उनकी कविता– नगेन्द्र
7. बिहारी– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. घनानन्द कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/CC5

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (द्वितीय)

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

भाषा व भाषा विज्ञान के सिद्धांतों, हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भाषाविज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।
2. भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी अध्ययन में मदद मिलेगी।
3. हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा
4. हिंदी भाषा के विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित होंगे।

खण्ड–एक

प्राचीन भारतीय भाषाविज्ञान का इतिहास : पाणिनि पूर्व, पाणिनि कालीन एवं पाणिनि परवर्ती, शिक्षा, प्रातिशाख्य, यास्क, कात्यायन, निरुक्त, पतंजलि, भर्तृहरि, आधुनिक भाषाविज्ञान का इतिहास।

खण्ड–दो

मानक हिंदी की ध्वनियाँ, मानक हिंदी और खड़ीबोली में अंतर, हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था, हिंदी राजभाषा के रूप में, राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में हिंदी का योगदान।

खण्ड–तीन

हिंदी की व्याकरणिक संरचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रियाविशेषण, लिंग, वचन, कारक, अव्यय, निपात।

हिंदी में शब्द–संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि एवं समास ।

खण्ड–चार

हिन्दी प्रचार प्रसार आन्दोलन में विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान, हिन्दीतर भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय – मराठी, गुजराती, बंगला, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, कन्नड़, असमी व मलयालम।

पुस्तक सूची –

1. सामान्य भाषाविज्ञान–बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान की भूमिका–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषाविज्ञान–वैश्ना नांरग
4. हिन्दी शब्दानुशासन–किशोरीदास वाजपेयी
5. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– वासुदेव नंदन प्रसाद
6. हिन्दी भाषा का इतिहास– धीरेन्द्र वर्मा

MA/HIN/9/OEC2

हिन्दी भाषा और व्याकरण

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objectives)

- विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और व्याकरणं संबंधी जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम(CourseLearningOutcomes)

1. हिन्दी भाषा के बारे में विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देना।
2. हिन्दी व्याकरण का ज्ञान उपलब्ध कराना।
3. हिन्दी वर्णमाला का परिचय देना।
4. देवनागरी लिपि के मानकीकरण संबंधी जानकारी देना।

खंड -1

हिंदी की मानक ध्वनियाँ, हिंदी वर्णमाला का परिचय, स्वरों का वर्गीकरण ,व्यंजनों का वर्गीकरण

खंड -2

हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ-संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक,वाच्य

खंड -3

हिंदी में शब्द–संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि एवं समास

खंड -4

देवनागरी लिपि उद्भव एवं विकासदेवनागरी लिपि कीसीमाएं, देवनागरी लिपि का मानकीकरण, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

संदर्भ सूची

1. सामान्य भाषा विज्ञानबाबू राम सक्सेना ,
2. भाषा विज्ञान की भूमिका देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषाविज्ञान,
4. हिन्दी भाषा का इतिहास धीरेन्द्र वर्मा ,
5. हिन्दी शब्दानुशासन किशोरी दास वाजपेय ,
6. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबादा
7. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास: हरदेव बाहरी किताब महल, इलाहाबाद ।
8. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनीआगरा ,केन्द्रीय हिन्दी संस्थान ,लक्ष्मीनारायण शर्मा ,
9. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरुक्षेत्र ।

MA/HIN/9/OEC1
सामान्य हिंदी

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. भाषा के सामान्य सिद्धांतों व हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग काज्ञानप्रदानकरना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भाषा के सामान्य सिद्धांतों व हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।
2. जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. हिंदी भाषा के विविध प्रयोग की क्षमता में वृद्धि होगी ।
4. हिंदी भाषा के विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगें।

खंड-एक

हिंदी भाषा का उद्भव व विकास,स्वरूप,देवनागरी लिपि का मानक रूप,संवैधानिक स्थिति,शब्द भंडार,मोबाईल दौर में हिंदी.

खंड-दो

हिंदी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण-मुहावरे-लोकोक्तियाँ,पर्यायवाची शब्द,समानार्थी शब्द,विलोम शब्द,वाक्यांश के लिए एक शब्द,शुद्ध-अशुद्ध शब्द,उपसर्ग-प्रत्यय,संधि-समास,शब्द शक्तियां.

खंड-तीन

अवबोध/अपठित पाठ्यांश,संक्षिप्त लेखन,पल्लवन,लघु निबंध,औपचारिक पत्र लेखन,कार्यालयी हिंदी और साहित्ययिक हिंदी,पारिभाषिक शब्दावली निर्माण.

खंड-चार

आधुनिक युग में हिंदी - कम्प्यूटर और हिंदी, हिंदी कंप्यूटिंग का महत्व,हिंदी टंकण-यूनिकोड व देवनागरी लिपि में यूनिकोड की विशेषताएँ,यूनिकोड के लाभ और इंटरनेट पर हिंदी,भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी,हिंदी में चिट्ठाकारिता (ब्लॉगिंग),सोशल मिडिया और हिंदी,ई-गवर्नेंस और हिंदी.

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति-डॉ.बद्रीनाथ कपूर
2. सामान्य हिंदी-डॉ.राघव प्रकाश,पिंकसिटी प्रकाशन,जयपुर.
3. हिंदी भाषा विकास और स्वरूप-कैलाश चन्द्र भाटिया,मोतीलाल चतुर्वेदी,प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली.
4. मुहावरे कहावतें एवं सामान्य हिंदी ज्ञान फ़तेह सिंह लोढ़ा,यतीन्द्र साहित्य सदन,दिल्ली.
5. सामान्य हिंदी-डॉ.हरदेव बाहरी,जैन प्रकाशन मंदिर,जयपुर.
6. चयनित हिंदी निबंध,डॉ.राघव प्रकाश,पिंकसिटी प्रकाशन,जयपुर.
7. हिंदी ब्लोगिंग:अभिव्यक्ति की नई क्रांति,अविनाश वाचस्पति,रविन्द्र प्रभात,साहित्य निकेतन बिजनौर(उ.प्र.)
8. हिंदी कंप्यूटरी (ऑनलाइन ई-बुक, लेखक- वेद प्रकाश)

MA/ HIN/1/DSC4

गजानन माधव मुक्तिबोधः एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

1. मुक्तिबोध के साहित्य का क्रमबद्ध अध्ययन करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. मुक्तिबोध के जीवन व रचना प्रक्रिया को जानना समझना।-
2. प्रगतिशील साहित्य के क्षेत्र में मुक्तिबोध का अवदान।
3. मुक्तिबोध के साहित्यिक व सामाजिकसरोकार।
4. नयी कविता आंदोलन और मुक्तिबोध का काव्य संसार।

खण्ड– 1

1. नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
2. मुक्तिबोध का काव्यः रचना प्रक्रिया में यथार्थ और फैंटेसी
3. मुक्तिबोध का वैचारिक परिप्रेक्ष्य
4. मुक्तिबोध का काव्य– शिल्प एवं भाषा

प्रतिनिधि कविताएँः अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस, भूल गलती, चाँद कर मुँह टेढ़ा है, कहने दो जो कहते हैं।

खण्ड– 2

प्रतिनिधि कहानियाँः मुक्तिबोध– सं. रोहिणी अग्रवाल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
ब्रह्मराक्षस का शिष्य, काठ का सपना, क्लाड ईथरली, विपात्र, समझौता

खण्ड–3

निबंध– मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन के विविध पहलू, तीसरा क्षण, नयी कविता का आत्मसंघर्ष, कामायनी एक फैंटसी, वस्तु और रूप।

खण्ड–4

तीनों खण्डों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूचीः

1. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग : रोहिणी अग्रवाल – वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया : अशोक चक्रधर – मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली ।
6. मुक्तिबोधः प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक : चंचल चौहान – लिपि प्रकाशन, दिल्ली
7. लम्बी कविताएंः वैचारिक सरोकार : डॉ० बलदेव वंशी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. नयी कविता : देवराज – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णुचंद्र शर्मा – मुक्तिबोध रचनावली (1 से 5 खण्ड) – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य : रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

MA/ HIN/1/DSC3

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचयकरवाना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा ।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
4. नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी।

खण्ड–एक

राग विराग–निराला (काव्य) चयनित कविताएँ (स्नेह निर्झर बह गया है, मैं अकेला, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, बादल राग–1 व 6)

खण्ड–दो

कुल्ली भाट (उपन्यास)

खण्ड–तीन

सुकुल की बीवी –कहानी संग्रह

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. निराला की साहित्य साधना (भाग एक)
2. सुकुल की बीवी (कहानी संग्रह) – निराला
3. राग विराग – निराला (काव्य)
4. निराला का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला का साहित्य और साधना, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. महाकवि निराला, काव्यकला, डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
7. निराला का अलक्षित अर्थ–गौरव, शशिभूषण शीतांशु, सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद
8. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
9. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
10. निराला और उनका तुलसीदास, रामकुमार शर्मा, पदम बुक कम्पनी, जयपुर

MA/ HIN/1/DSC2

जयशंकर प्रसाद: एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा ।
2. छायावादी युग और आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रौढ़ता में जयशंकर प्रसाद के साहित्य का महत्व बोध होगा।
3. जयशंकर प्रसाद के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
4. नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होंगी।

खण्ड–एक

आँसू (काव्य) – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–दो

स्कन्दगुप्त(नाटक) – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–तीन

कंकाल (उपन्यास) – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. जयषंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयषंकर प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना – रामकृष्ण अग्रवाल
3. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1961
4. कामायनी : एक सह–चिन्तन, वचनदेव, कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली, 1983
5. कामायनी–अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975
6. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975
7. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977
8. प्रसाद का नाट्य साहित्य, परम्परा और प्रयोग, हरिश्चन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठः प्रथम संस्करण
9. लहर–सौन्दर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1977
10. प्रसाद का गद्य–साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982

MA/ HIN/1/DSC1

भारतेन्दु हरिश्चंद्र: एक विशेष अध्ययन

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

भारतेंदु हरिश्चंद्र के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचयकरवाना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course leaning Outcomes)

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र के हिंदी भाषा के निर्माण व साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक, पत्रकारिता, काव्य सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
4. . नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी।

खण्ड–एक

अंधेर नगरी –भारतेन्दु हरिष्चन्द्र,

खण्ड–दो

भारत दुर्दशा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड–तीन

भारतेन्दु ग्रन्थावली (प्रथम खण्ड)– चयनित निबंध (स्वर्ग में विचार सभा का आयोजन,भारतवर्षोन्नत्ति कैसे हो, सबै जाति गोपाल की, एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न, हिंदी भाषा)

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंगव्याख्या

पुस्तक सूची –

1. भारतेन्दु ग्रन्थावली
2. अंधेर नगरी (प्रहसन) – भारतेन्दु हरिचन्द्र
3. भारत दुर्दशा (नाटक) – भारतेन्दु हरिचन्द्र
4. भारतेन्दु – युग और राष्ट्रीय नवजागरण – मुरली मनोहर प्रसाद सिंह
5. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डॉ. विरेन्द्र कुमार
6. भारतेन्दु का गद्य साहित्य : समाजषास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
7. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपीनाथ तिवारी
8. भारतेन्दु के निबन्ध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
9. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार।
10. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. रामगोपाल चौहान

MA/HIN/1/CC4

स्वतंत्रतापूर्व आधुनिक हिंदी काव्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं।प्रथमतीन खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रमसे दो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

स्वतंत्रतापूर्वहिन्दी कविता(आधुनिक कविता)से परिचित कराना प्रमुख उद्देश्य.इसके अतिरिक्तस्वतंत्रतापूर्व हिन्दी कविता के निरंतर बदलते स्वरूप का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. स्वतंत्रतापूर्वहिन्दी कविता, आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त।
2. स्वतंत्रतापूर्वहिन्दी कविता संवेदना, शिल्प, सामाजिक सरोकारों से परिचय होगा।
3. स्वतंत्रतापूर्वहिन्दी कविता के विभिन्न कवियों के काव्य वैशिष्ट्य का बोध हो सकेगा।
4. स्वतंत्रतापूर्वहिन्दी कविता का नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधों का बोध हो सकेगा।

खण्ड–एक

साकेत (नवम् सर्ग)– मैथिलीशरण गुप्त

खण्ड–दो

कामायनी (चिंता, श्रद्धा व लज्जा सर्ग)– जयषंकर प्रसाद

खण्ड–तीन

कुरूक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)–रामधारी सिंह दिनकर

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. साकेत : एक अध्ययन, डॉ0 नगेन्द्र
2. दिनकर : सृजन और चिंतन – डॉ0 रेणु व्यास
3. कामायनी: एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
4. जयशंकर प्रसाद समग्र साहित्य– राजीव आनन्द
5. छायावाद युगीन काव्यः अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिगं हाऊस, दिल्ली, 1990
7. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
8. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्टू, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
9. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2001
10. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
11. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
12. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977
13. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986

MA/HIN/1/CC3

आधुनिक कथा साहित्य

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।चतुर्थखण्डमेंनिर्धारित पाठ्यक्रमसेदो–दों व्याख्या भाग दिए जाएंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक व्याख्या भाग करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। 15x4=60

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. आधुनिक कथा-साहित्य का नई सोच और नये दृष्टिकोणों के संदर्भ में अध्ययन करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1.आधुनिक कथा-साहित्य का नई सोच और नये दृष्टिकोणों के संदर्भ में अध्ययन कर सकेंगे ।

2.आधुनिक कथा-साहित्य का परिवेश और मनुष्य के बीच के संबंधों को बखूबी समझसकेंगे ।

3.हिंदी की व्यवहारिकता गद्य साहित्य के संदर्भ में पुष्ट हो सकेगी ।

4.आधुनिक कथा-साहित्य की परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट का मूल्यांकन कर सकेंगे ।

खण्ड–एक

गोदान(उपन्यास)– प्रेमचन्द

खण्ड–दो

मैलाआँचल (उपन्यास)– फणीश्वर नाथ रेणु

खण्ड–तीन

तेईस हिन्दी कहानियाँजैनेन्दर कुमार (सम्पादक) प्रकाशक लोकभारती प्रकाशनए इलाहाबाद (संशोधित रूप)

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
3. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन,, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी, 1960
8. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषाप्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1988
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

6. स्वातंत्रयोतर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक) नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाऊस, दिल्ली, 1973
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
10. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998
11. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स, प्रो रसाल सिंह, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

MA/HIN/1/CC2

हिंदी साहित्य का इतिहास

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित करवाना। हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।आधुनिक काल के विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1.इतिहास व साहित्येतिहास लेखन के महत्व व उसके लेखन की प्रक्रिया का परिचय होगा।

2.हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी होगी।

3.भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान होगी।

4.आधुनिक काल की हिंदी कविता के विकास का परिचय।

खण्ड–एक

साहित्येतिहास से अभिप्राय, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहासकी पूर्वपीठिका एवं परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास का आदिकाल के नामकरण एवं काल–निर्धारण की समस्या, आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

खण्ड–दो

भक्तिकाल के उद्भव एवं विकास के कारण, भक्तिकाल स्वर्णयुग क्यों है,? भक्तिकाव्य की चारों धाराओं की प्रवृत्तियाँ, भक्तिकाल की परिस्थितियाँ

खण्ड–तीन

रीतिकाल के नामकरण की समस्या, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य, रीतिकाल के कवियों का आचार्यत्व

खण्ड–चार

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद एवं नयी कविता की प्रवृत्तियाँ, साठोत्तरी काव्य की प्रवृत्तियाँ, हिन्दी नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, जीवनी एवं आत्मकथा का उद्भव एवं विकास।

पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन नागरीप्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) 1961
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लेखक डॉ. रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग एक एवं दो) लेखक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975

प्रथम -सेमेस्टर

MA/HIN/1/CC1

भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा (प्रथम)

अध्यापन अवधि : 4 घंटे
समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पांच लघु अनिवार्य प्रश्न पुछे जाएंगे।प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।2x5=10
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे औरपरीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

भाषा व भाषा विज्ञान सिद्धांतों से परिचित कराना।

हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (Course Learning Outcomes)

1.भाषाविज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।

2.भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी अध्ययन में मदद मिलेगी।

3.हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।

4.हिंदी भाषा के विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित होंगे।

खण्ड–एक

भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रकृति, भाषा–व्यवस्था, भाषा–व्यवहार, भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अध्ययन की शाखाएँ, ध्वनि उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण

खण्ड–दो

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, अर्थ से अभिप्राय, शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।

खण्ड–तीन

प्राचीन भारतीय लिपियों का इतिहास, देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष

खण्ड–चार

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना पाली, प्राकृत एवं अपभ्रंश की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

पुस्तक सूची

1. सामान्य भाषा विज्ञान, लेखक बाबू राम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, लेखक देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषा विज्ञान, लेखक वैष्ना नारंग
4. हिन्दी भाषा का इतिहास, लेखक धीरेन्द्र वर्मा
5. हिन्दी शब्दानुशासन, लेखक पं0 किशोरीदास वाजपेयी
6. हिन्दी भाषा : उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1997
7. हिन्दी : उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
8. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
9. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1990
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998